राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 268 | जौनपुर | रविवार, 18 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

प्रतिभा सम्मान समारोह में कई होनहार युवाओं को किया गया सम्मानित

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। एस. ज्योति कोचिंग सेंटर मया बाजार में रविवार को एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा, रेडियो ऑपरेटर,हाईकोर्ट में चयनित 13 प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपना दल (एस) के प्रदेश सचिव प्रमोद सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि प्रमोद सिंह ने सभी चयनित युवाओं को पुलिस सेवा में चयन के लिए बधाई दी और कहा कि, ष्ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में अपार प्रतिभा होती है, जरूरत है उन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर देने की।ष उन्होंने आशा जताई कि ये युवा भविष्य में समाज और देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि 15 जून से पहले सभी बाढ़ बचाव से जुड़े कार्यक्रम पूर्ण कर लिए जाएं ताकि संभावित प्राकृतिक आपदा से पहले तैयारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश फ्लड प्लेन जोनिंग के क्षेत्र में देश के अन्य राज्यों से आगे है। प्रदेश में बाढ़ बचाव से जुड़ी कार्य योजना समय पर पूरी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विगत आठ वर्षों में राज्य में 1,665 बाढ़ परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं, जिससे 40.72 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल को सुरक्षा प्राप्त हुई और 319.14 लाख की आबादी लाभान्वित हुई है। प्रत्येक परियोजना गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए ताकि मानसून के दौरान आने वाली बाढ़ के प्रभाव को कम से कम किया जा सके। सीएम ने यह भी कहा कि बाढ़ बचाव की दीर्घकालिक रणनीति में नदी ड्रेजिंग एवं चौनलाइजेशन ही सबसे प्रभावी समाधान है। वर्ष 2018 से 2025 के बीच 60 नदियों की ड्रेजिंग परियोजनाएं पूरी की गई हैं, जिससे 4.07 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को लाभ मिला है और 23 लाख से अधिक जनसंख्या को राहत मिली है। सीएम योगी ने नदी पुनरोद्धार अभियान को युद्धस्तर पर चलाने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने निर्देश दिया कि सिंचाई, राजस्व, नमामि गंगे और नगर विकास विभाग आपसी समन्वय बनाकर लुप्तप्राय नदियों को पुनर्जीवित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदूषित नदियों को स्वच्छ करना राज्य की प्राथमिकता है और किसी भी औद्योगिक अपशिष्ट को नदियों में जाने नहीं दिया जाए। सीएम योगी ने यह निर्देश दिया कि नमामि गंगे एवं सिंचाई विभाग मिलकर यमुना नदी की सफाई, चौनलाइजेशन और नालों की टैपिंग के कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाएं। उन्होंने विशेष रूप से काशी की वरुणा और अस्सी नदियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका ऐतिहासिक महत्व है और इन्हें पुनर्जीवित किया जाना चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि वरुणा नदी पर रिवर फ्रंट का निर्माण करें और रिजर्वायर एवं चेक डैम बनाकर उसके पानी को सिंचाई के उपयोग में लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्सी नदी के पुनर्जीवन का कार्य भी जल्द प्रारंभ किया जाए।

शिवराज नागपुर में कृषि और ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को नागपुर का दौरा करेंगे जहां वह विकसित कृषि पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे तथा प्रमुख कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित रहेंगे। शिवराज सिंह चौहान इस अवसर पर राष्ट्रीय मृदा स्पेक्ट्रल लाइब्रेरी (एनएसएसएल) का उद्घाटन करेंगे, जो डिजिटल कृषि में एक अग्रणी पहल है। इसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो नागपुर, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। यह पहल कृषि नेटवर्क कार्यक्रम का हिस्सा है। कृषि मंत्री कपास की फसलों को प्रभावित करने वाले एक प्रमुख कीट पिंक बॉलवर्म के लिए एआई–आधारित स्मार्ट ट्रैप भी लॉन्च करेंगे। आईसीएआर–केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा विकसित यह तकनीक कीट नियंत्रण के लिए उन्नत मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का लाभ उठाती है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को कृषि में उनके अभिनव योगदान के लिए सम्मानित भी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स ऊर्जा मंत्री सम्मेलन के लिए ऊर्जा मंत्री ब्राजील की यात्रा पर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय ऊर्जा और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल 19 मई को होने वाली ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हो गए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मनोहर लाल ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों के साथ समावेशी और सतत वैश्विक शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को सशक्त बनाने के विषय के अंतर्गत ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच, सामर्थ्य और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

इस बैठक में भारत पिछले दशक की अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, जिसमें बिजली क्षमता में 90 प्रतिशत की वृद्धि, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन में नेतृत्व, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास शामिल हैं। देश ऊर्जा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने और ऊर्जा संक्रमण में तेजी लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करेगा। सरकार ने कहा कि यह यात्रा एक मजबूत, भविष्योन्मुखी और टिकाऊ ऊर्जा क्षेत्र के निर्माण में ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती है।

इसरो का अब जासूसी सैटेलाइट होगा लान्च

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत–पाकिस्तान में संघर्ष के दौरान इसरो की भूमिका किसी से छिपी नहीं है, इसरो की सैटेलाइट ने भारतीय सेना के जवानों को दुश्मन की सटीक जानकारी दी, जिससे न सिर्फ उन्हें दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने में मदद मिली, बल्कि अपनी सुरक्षा करने में भी सहयोग मिला। हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए टकराव में इसरो ने भारतीय सेना की काफी मदद की थी। उसके दस सेटेलाइटों ने पाकिस्तान की सेना की पोजीशन की जानकारी भारतीय सेना को उपलब्ध कराई। इसरो के सैटेलाइट रात के समय साफ पिक्चर नहीं ले पा रहे थे। इस कारण से पाकिस्तान की सेना की रात की मूवमेंट की जानकारी के लिए सेना दूसरे सोर्सो पर निर्भर थी लेकिन अब इसरो इस कमी को भी पूरी करने वाला है। इसरो का एक और जासूसी सैटेलाइट लॉन्चिंग के लिए तैयार है। EOS–09 सैटेलाइट मिशन को 18 की सुबह 6 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। ये सैटेलाइट भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों की, बादलों के बीच से भी हाई–रिजॉल्यूशन रडार इमेजरी प्रदान करेगा,..इसका मुख्य उद्देश्य कृषि, वन निगरानी, आपदा प्रबंधन, शहरी योजना और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में मदद करना है। EOS–09 सैटेलाइट का वजन लगभग 1,696 किलोग्राम है. इसे PSLV-C61 के जरिए पृथ्वी से लगभग 500 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया जाएगा , इसरो के इस कदम से भारत की सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी, मौजूदा अहलात में काफी अहम माना जा रहा है।

जो दुस्साहस करेगा, उसे सबक सिखाएगा भारत – मोहन भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया के सबसे पुराने देशों में से एक है और इसकी भूमिका बड़े भाई की है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो दुनिया में शांति, सद्भाव और धर्म को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा हाल ही में किए गए हमलों का जिक्र करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है। वे जयपुर के हरमारा स्थित रविनाथ आश्रम में आयोजित

सम्मान समारोह में बोल रहे थे। भागवत ने कहा कि भारत में त्याग की परंपरा रही है। हम भगवान राम से लेकर भामाशाह तक सभी महापुरुषों की पूजा करते हैं जिन्होंने समाज के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शांति और धर्म का संदेश देने के लिए भी शक्तिशाली होना जरूरी है। भागवत ने कहा कि भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगा, बढ़ना चाहिए। भारत किसी से दुश्मनी नहीं रखता, लेकिन अगर कोई दुस्साहस करता है, तो भारत उसे सबक सिखाने की ताकत रखता है, ये ताकत भारत में होनी चाहिए। भारत वो काम करता है जो दुनिया में बने रहने के लिए जरूरी है। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि भारत किसी के प्रति कोई द्वेष नहीं रखता है। लेकिन दुनिया प्रेम की भाषा तभी सुनती और समझती है, जब आपके पास शक्ति होती है। यह दुनिया का स्वभाव है।

हमले से पहले पाकिस्तान को सूचित करना अपराध - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के बारे में पाकिस्तान को सूचना देने के लिए शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह एक अपराध है और पूछा कि इसे किसने अधिकृत किया था। राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस बात पर आलोचना की कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि केंद्र ने पाकिस्तान को इस कार्रवाई के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने पूछा कि इस्लामाबाद के साथ ऐसी जानकारी साझा किए जाने के परिणामस्वरूप भारतीय वायुसेना ने कितने विमान खो दिए। रायबरेली के सांसद ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक

अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। इसे किसने अधिकृत किया? इसके परिणामस्वरूप हमारी वायु सेना ने कितने विमान खो दिए? उन्होंने विदेश मंत्री का एक बिना तारीख वाला वीडियो भी साझा किया जिसमें कथित तौर पर कहा गया है कि भारत ने पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे के खिलाफ कार्रवाई के बारे में सूचित किया है। राहुल गांधी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि सरकार ने पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हमले सेना पर नहीं बल्कि सिर्फ आतंकी ढाँचे पर किए जा रहे हैं। क्लिप में मंत्री को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ष्ऑपरेशन की शुरुआत में, हमने पाकिस्तान को संदेश भेजा था, जिसमें कहा गया था, हम आतंकी ढाँचे पर हमला कर रहे हैं, हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं। इसलिए सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने और अलग रहने का विकल्प है। उन्होंने उस अच्छी सलाह को न मानने का विकल्प चुना। हालांकि, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिसमें जयशंकर ने कहा था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से पहले पाकिस्तान को सूचित किया था। पीआईबी की तथ्य जांच इकाई ने कहा कि मंत्री ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

केदारनाथ में तकनीकी खामी से हेली एंबुलेंस की आपातकाल लैंडिंग

केदारनाथ, एजेंसी। ऋषिकेश एम्स से केदारनाथ हेलीपैड की ओर आ रही संजीवनी हेली एंबुलेंस की शनिवार को आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। हेलीकॉप्टर में दो डॉक्टर भी सवार थे। अच्छी बात यह रही कि इसमें किसी को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा, हेलीकॉप्टर सवार बिलकुल सुरक्षित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों सुरक्षित हैं। आपातकालीन लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर के पीछे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि केदारनाथ धाम में एक मरीज को रेस्क्यू कराने पहुंची संजीवनी हेली एंबुलेंस की आपातकालीन लैंडिंग हुई। पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया है। इस हेली में एम्स ऋषिकेश से आई मेडिकल टीम भी सवार थी। हेलीकॉप्टर में पायलट सहित दो डॉक्टर सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि केदारनाथ धाम में दर्शन को पहुंची एक महिला श्रद्धालु सांस लेने में अधिक समस्या होने लगी। उसकी तबीयत बिगड़ने के दौरान राज्य सरकार की हेली एंबुलेंस सेवा संजीवनी की मदद ली गई। हेली में एम्स से मेडिकल टीम भी साथ केदारनाथ पहुंच रही थी। उन्होंने बताया कि केदारनाथ के मुख्य हेलीपैड पर लैंडिंग से पहले ही हेली में कुछ तकनीकी खराबी आई। तकनीकी खराबी को ध्यान में रखते हुए पायलट ने हेलीपैड से ठीक पहले समतल स्थान पर हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग कराई। पायलट की सूझबूझ से सफल लैंडिंग हुई। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। हालांकि हेलीकॉप्टर के पीछे का हिस्सा दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। इस पूरे मामले की तकनीकी जांच डीजीसीए द्वारा की जाएगी जिसके उपरांत तकनीकी खामी की सही जानकारी मिल सकेगी। बता दें कि 10 मई को राज्य सरकार ने भारत–पाक तनाव के बीच चारधाम यात्रा के तहत बाबा केदारनाथ जाने वाली सभी हेलीकॉप्टर सेवाओं को बंद करने का आदेश दिया था। हेलीकॉप्टर सेवा बंद होने से तीर्थयात्रियों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अब एक बार फिर से यात्रियों के लिए सेवा शुरू कर दी गई।

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी सरकार ने देश से की गद्दारी – संजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान से साफ हो गया है कि मोदी सरकार ने भारत और भारतीय सेना के साथ गद्दारी की है। आप के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि विदेश मंत्री के बयान से साफ हो गया है कि मोदी सरकार ने भारत और भारतीय सेना के साथ गद्दारी की है। विदेश मंत्री खुद कह रहे हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले ही पाकिस्तान को बता दिया था। यह बेहद गम्भीर मामला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सामने आकर बताना चाहिए कि उनकी सरकार ने भारत और भारतीय सेना के साथ गद्दारी क्यों की? उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री को लेकर इस समय जो खबर सामने आई है, उसने पूरे देश को स्तब्ध ा, हैरान और व्यथित कर दिया है। यह भारत माता और भारतीय सेना के साथ गद्दारी है, जो मोदी सरकार ने की है।

आप नेता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने से पहले ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया कि आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने जा रहे हैं? यह वही पाकिस्तान है, जो आतंकवादियों का संरक्षक है, जो आतंकवादियों की शरणस्थली है, जहां की सेना के अधिकारी आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होते हैं।

अब 'गया जी' के नाम से जाना जाएगा गया, बिहार कैबिनेट ने दी मंजूरी

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कई बड़े और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में लिए गए सबसे बड़े निर्णयों में से एक गया शहर का नाम परिवर्तन है। अब इस शहर को गया जी के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा, कैबिनेट ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों के परिजनों को 50–50 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। यह निर्णय शहीदों के सम्मान और उनके परिवारों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि की घोषणा की है। इस फैसले से राज्य के लाखों कर्मचारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा। कैबिनेट ने प्रखंड और अंचल कार्यालयों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब इन कार्यालयों की सफाई का जिम्मा जीविका दीदियों

को सौंपा जाएगा। यह कदम न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगा, बल्कि जीविका समूह की महिलाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। राज्य सरकार ने प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए छपरा जिले के सोनपुर को नगर परिषद का दर्जा दे दिया है। इसके साथ ही, औरंगाबाद जिले के मदनपुर को अब नगर पंचायत के रूप में जाना जाएगा। वहीं, महत्वाकांक्षी जल जीवन हरियाली कार्यक्रम की अवधि ा को बढ़ा दी गई है। यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। कैबिनेट ने दरभंगा जिले की जलापूर्ति योजना के लिए 186 करोड़ रुपए और औरंगाबाद जिले की जलापूर्ति परियोजना के लिए 72 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण राशि स्वीकृत की है। इसके अलावा, सोनपुर मेला आयोजन क्षेत्र के विस्तार को भी मंजूरी दी गई है, और बोधगया शहर के लिए भी एक नई जलापूर्ति परियोजना को हरी झंडी मिली है। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत राज्य के 900 ग्राम पंचायतों में सरकारी पंचायत भवन बनाने की योजना को कैबिनेट ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इससे स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार करते हुए, बिहार के कई जिलों में केंद्रीय विद्यालय संगठन के नए विद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इससे राज्य के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। विकास कार्यों को गति देने के लिए राज्य सरकार 58,193 करोड़ रुपए का ऋण लेगी। यह राशि विभिन्न विकास परियोजनाओं में इस्तेमाल की जाएगी। सहकारिता विभाग के अंतर्गत 498 नए पदों की स्वीकृति दी गई है। इससे विभाग के कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। बिहार सरकार की नौकरियों में अब बिहार के मूल निवासी बेंचमार्क दिव्यांगों को ही क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलेगा। यह निर्णय दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा के लिए लिया गया है। मुख्य जांच आयुक्त के कार्यालय में 125 नए पदों की स्वीकृति दी गई है, जिससे जांच कार्यों को और तेजी से किया जा सकेगा। राज्य में कैंसर की बीमारी से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्कैंसर केयर अप रिसर्च सोसायटीश का गठन किया जाएगा। यह सोसायटी कैंसर की रोकथाम, उपचार और अनुसंधान के क्षेत्र में काम करेगी। इसके साथ ही, राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए सेवा से अनुपस्थित रहने के कारण पांच डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया है। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में अब शिक्षा विभाग के अंतर्गत नियुक्त शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया जाएगा, जिससे इन विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त, भागलपुर, अररिया और गोपालगंज में नए अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय बनेंगे। पटना मेट्रो परियोजना के लिए दो करोड़ 56 लाख नौ हजार करोड़ रुपए के भुगतान की अनुमति कैबिनेट ने दे दी है, जिससे इस महत्वपूर्ण परियोजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ सकेगा। वहीं, जन्म और मृत्यु से संबंधित आवेदनों का निष्पादन अब ग्राम पंचायत स्तर पर ही किया जाएगा, जिससे लोगों को सुविधा होगी और उन्हें ब्लॉक या अन्य कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। बिहार के अंतर्गत उद्यान प्रशिक्षण निदेशालय के गैर–तकनीकी पदों की नियमावली में परिवर्तन किया गया है। इसके साथ ही, भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय, इमामगंज, समस्तीपुर और भोजपुर के भवनों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, ताकि छात्रों को बेहतर आवास और शिक्षा का माहौल मिल सके।

संपादकीय

भाजपा के असंतुलन से देश को नुकसान

लगभग 20 दिनों की चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन करने का फैसला लिया तो देश को इत्मीनान हुआ कि आखिरकार प्रधानमंत्री देश की सुरक्षा को लेकर सीधी बात करेंगे। इससे पहले सोमवार दोपहर तक भारत–पाक के बीच संघर्ष को लेकर कई किस्म के सवाल चर्चा में थे, जैसे अमेरिका किस तरह भारत और पाकिस्तान के मामले में दखलंदाजी कर सकता है। क्या चीन ने इस बार पाकिस्तान को भारत पर आक्रमण करने में मदद की है। क्या भारत ने अमेरिका के पास जाकर युद्धविराम की पहल की। इन सवालों के बीच पहले खबर आई कि भारत और पाक के बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस यानी डीजीएमओ स्तर पर चर्चा हो रही है और उसके थोड़ी देर बाद खबर आ गई कि प्रधानमंत्री मोदी रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। माना गया कि यह संबोधन ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम को लेकर ही होगा। दरअसल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के संबोधन का इंतजार इसलिए था क्योंकि उनकी चुप्पी से बातें अनावश्यक उलझती जा रही थीं। श्री मोदी ने भले ही राजनैतिक लाभ के लिए चुप रहना बेहतर समझा हो, लेकिन इसका कूटनीतिक नुकसान भारत को हुआ और पार्टी के तौर पर भी भाजपा को इसमें संभावित नुकसान ही हुआ। इसलिए रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर भाजपा के मंत्रियों और बड़े नेताओं की बैठक हुई, और मंगलवार से पार्टी ने 10 दिनों तक यानी 23 मई तक तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियां देश को बताई जाएंगी। हालांकि सैन्य अभियानों की उपलब्धियां गिनाने की जरूरत नहीं होती। हाथ कंगन को आरसी क्या, जो कुछ सेना ने किया वह नजर आ ही जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी दिख रहा था कि भारत के आगे पाकिस्तान पस्त पड़ रहा है। लेकिन शनिवार शाम से हालात बदल गए। पहले युद्धविराम का ट्रंप की तरफ से ऐलान करना, फिर भारत का यही घोषणा करना और उसके बाद पाकिस्तान की तरफ से नए हमले, ये सारा घटनाचक्र इतनी जल्दी घूमा कि जनता परेशान हो गई कि आखिर कौन सी मजबूरी थी कि भारत को युद्धविराम के लिए सहमत होना पड़ा। युद्धविराम के लिए क्या किसी कागज पर हस्ताक्षर हुए हैं, अगर नहीं तो क्या मुंहजुबानी बात को मान लिया जाए। पाकिस्तान इस बात को क्यों नहीं मान रहा। क्यों एक तरफ पाकिस्तान के हमले हो रहे हैं और दूसरी तरफ शाहबाज शरीफ जीत वाला भाषण दे रहे हैं। ये सारे सवाल विपक्ष से ज्यादा भाजपा समर्थक लोग और खासकर पत्रकार ही उठाने लगे। इस बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री और उनके परिजनों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग भी होने लगी क्योंकि युद्धविराम की जानकारी उन्होंने ही दी थी। भाजपा ने ट्रोल आर्मी की शक्ल में भस्मासुर पाले हैं, यह बात जाहिर होने लगी। भाजपा ने पहलगाम हमले को जिस तरह चुनाव में भुनाने की योजना बनाई होगी, वह अमल में आने से पहले ही बेकार होती नजर आई तो अब प्रधानमंत्री को सामने आना ही पड़ा। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात ऐसे बने जिसमें नजर आया कि किस तरह भारत को अकेला किया जा रहा है।

देश के नए मुख्य न्यायाधीश पर जिम्मेदारी

विनोद

जस्टिस भूषण रामकृष्ण (बी आर) गवई ने देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में बुधवार को शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण से पहले ही उनके निजी जीवन के अनसुने किस्से खबरों में आने लगे। सूचना विस्फोट के दौर में यही होता है कि किसी व्यक्ति पर सुर्खी बनाने से पहले उसके बारे में छोटी सी छोटी बात को भी खबरों में शामिल किया जाता है। इसी सिलसिले में बताया गया कि जस्टिस बीआर गवई बौद्ध धर्म को मानने वाले पहले और अनुसूचित जाति से आए दूसरे मुख्य न्यायाधीश हैं। उनकी नियुक्ति को ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक दोनों बताया गया, क्योंकि यह न्यायपालिका द्वारा पोषित समावेशिता और संवैधानिक नैतिकता के मूल्यों की प्रतीक है। पहली नजर में इस बात में कुछ अटपटा नजर नहीं आता। बल्कि सुखद गौरव वाली बात लगती है कि एक अनुसूचित जाति के व्यक्ति को देश की न्यायपालिका का शीर्ष स्थान मिला है। लेकिन थोड़ा गहराई से सोचें तो इसमें समाज का खोखलापन और संविधान के प्रति आस्था का दिखावा ही नजर आएगा। क्योंकि संविधान में मुख्य न्यायाधीश के पद पर आसीन होने के लिए जो योग्यताएं बताई गई हैं, उनमें कहीं भी जाति या धर्म का जिक्र नहीं है। मगर हम फिर भी इसे रेखांकित कर रहे हैं और इसे समावेशिता, संवैधानिक नैतिकता का प्रतीक बता रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि हमने संविधान का असली भाव ग्रहण ही नहीं किया है। अगर किया होता तो इस बात पर गौर ही नहीं किया जाता कि मुख्य न्यायाधीश की आसंदी पर बैठने वाला शख्स किस जाति और धर्म का है। जस्टिस गवई के बारे में चर्चा करना ही है तो उनके अब तक के किए गए फैसलों पर की जा सकती है। या उनके निजी जीवन का यह पहलू कि वे अमरावती में नगरपालिका के विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा हासिल करके इस मुकाम तक पहुंचे हैं। ऐसी बातें निस्संदेह प्रेरणा देती हैं। जस्टिस बी आर गवई ऐसे समय में प्रधान न्यायाधीश बने हैं, जब देश में संसद बनाम सुप्रीम कोर्ट के वर्चस्व का अप्रिय विवाद खड़ा हुआ है। ऐसा नहीं है कि संसद और सुप्रीम कोर्ट में सर्वोच्चता को लेकर पहले बहस नहीं छिड़ी, लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि पिछले 11 सालों में न्यायपालिका को लेकर कई ऐसे विवाद खड़े हुए, जो इससे पहले कभी नहीं हुए। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों ने आजादी के बाद के इतिहास में पहली बार प्रेस कांफ्रेंस कर अपनी व्यथा व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सेवानिवृत्त होने के बाद राज्यसभा के सांसद बने। हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश ने संघ के प्रति अपना झुकाव दिखाया और गांधी या गोडसे में किसी एक को चुनने के सवाल पर सोचने का वक्त मांगा। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने राम मंदिर के फैसला देने से पहले देवी के सामने बैठकर चिंतन करने की बात कबूली। ऐसे कई वाकये एक के बाद एक हुए, जिनसे न्यायपालिका पर भी उंगली उठी और आम आदमी को इसमें अपना नुकसान नजर आया। क्योंकि अदालतों में मामले चाहे जितने लंबे खिंचे, चाहे कितनी बार तारीख पर तारीख वाला संवाद बोलकर अपनी मुश्किल जाहिर की जाए, लेकिन फिर भी देश के आम नागरिक का न्यायपालिका पर अटूट भरोसा था कि उसके रहते संविधान की रक्षा होगी और नागरिक हितों की भी। इंसाफ देर से ही सही लेकिन मिलेगा और सुप्रीम कोर्ट जो फैसला लेगा वह देशहित, जनहित और संविधान की कसौटी पर ही लेगा। लेकिन जब से न्यायपालिका को लेकर विवादास्पद खबरें आईं, लोगों का भरोसा कहीं न कहीं हिल गया। ऐसे माहौल को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे जैसे लोगों की बेतुकी टिप्पणियों ने और संगीन कर दिया, जब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कर्तव्यनिष्ठा पर ही सवाल उठाए गए। याद कीजिए कि वक्फ संशोधन अधिनियम पर दायर याचिकाओं पर जब जस्टिस संजीव खन्ना ने फैसला सुनाया तो भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बयान दिया था कि श्इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उसके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना साहब हैं।श इतनी बेहूदी टिप्पणी कभी किसी मुख्य न्यायाधीश पर नहीं हुई, लेकिन भाजपा ने अब तक इसके लिए अपने सांसद को कोई सजा नहीं दी है। वक्फ संशोधन अधिनियम पर कम से कम एक दर्जन याचिकाएं दाखिल हुई हैं, जिन पर अभी सुनवाई होना और फैसला आना बाकी है, लेकिन इससे पहले जब सुनवाई हुई तो जस्टिस खन्ना ने केंद्र का जवाब आने तक आदेश दिया था कि कोई भी वक्फ संपत्ति गैर अधिसूचित नहीं की जाएगी, यानी यथास्थिति बहाल रहेगी। इसी पर भाजपा सांसद को शायद तकलीफ हो गई। वैसे पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल महज छह महीनों का ही रहा, लेकिन इसमें उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए। जैसे उपासना स्थल कानून में मंदिर मस्जिद विवाद के नए मामलों पर अंतरिम रोक का आदेश दिया था। संभल की मस्जिद समेत कई धार्मिक स्थलों पर विवाद पिछले दिनों खड़े हुए और हर आए दिन नए–नए मामले अदालत पहुंच रहे थे। ऐसे में अपने आदेश में जस्टिस खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि जब तक पुराने मामलों की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी नहीं होती तब तक कोई अदालत इन मुद्दों पर कोई कध्दम नहीं उठा सकता और न ही कोई नए मामले दाखिल कर सकता है। ऐसे फैसले की मांग मुस्लिम पक्ष के साथ कई और लोग बहुत समय से कर रहे थे। इसके अलावा संविधान की प्रस्तावना को बदलने की मांग वाली याचिकाएं जस्टिस खन्ना ने खारिज की थीं। उनके कार्यकाल में ही जस्टिस यशवंत वर्मा के घर अधजले नोटों के बरामद होने का मामला भी सामने आया। वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव की मुसलमानों को लेकर कथित हेटस्पीच का मामला भी उठा। यानी राजनैतिक और धार्मिक विवादों के साथ–साथ न्यायपालिका के भीतर उठे विवाद भी जस्टिस खन्ना के कार्यकाल का हिस्सा बने।

राष्ट्रभक्ति की सीमाओं से परे सौदेबाजी

संजय

बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया। पुरानी कहावत है, लेकिन जब तक राजनीति और कारोबार कायम हैं, यह बात भी सोलह आने सच ही रहेगी। भाजपा तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रवाद की नयी हुंकार भर रही है (हालांकि उसी तिरंगे से नाक पोंछने और यात्रा के बाद सड़क पर पड़े रहने के वीडियो सामने आए हैं), ऑपरेशन सिंदूर का सारा श्रेय मोदीजी के खाते में जमा किया जा रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तान का साथ देने वाले अजरबेजान और तुर्किए का भी बड़े पैमाने पर बहिष्कार हो रहा है। लेकिन उधर नरेन्द्र मोदी के करीबी उद्योगपति मुकेश अंबानी डोनाल्ड ट्रंप से कतर में मुलाकात करते हैं। इस बीच ट्रंप का एक और भारत विरोधी बयान सामने आ गया है, जिसमें वो एप्पल के सीईओ टिम कुक का नाम लेकर कह रहे हैं कि मैंने टिम से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करें। उन्होंने कहा कि भारत को अपने हितों का ध्यान खुद रखने दें। भारत का दुश्मन देश जिस तरह के बयान दे सकता है, लगभग उसी तरह के बयान डोनाल्ड ट्रंप लगातार दिए जा रहे हैं। अमेरिका में बिना पूरे कागजात के रह रहे भारतीयों को जिस तरह हथकड़ी के साथ अपने सैन्य विमान में भेजा गया, वो दृश्य जनता नहीं भूली है। इसके बाद उन्होंने नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान उनके सामने ही कहा था कि वे भारत पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे, जितना भारत लगाता है। इस धमकी के बाद उन्होंने भारत पर दबाव डाला कि वह अपना टैरिफ कम करे। टैरिफ के अलावा भारत और पाकिस्तान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि दोनों देशों के नेता उनके अच्छे मित्र हैं, दोनों देशों को ट्रंप ने एक पलड़े पर रखा। जबकि भारत पाक समर्थित आतंकवाद से पीड़ित देश है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच में ही ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से लंबी चर्चा की और युद्धविराम करवा दिया है। इसके बाद पाकिस्तान की तरफ से हमले हुए, लेकिन ट्रंप की नजर में फिर भी दोनों देश एक समान ही रहे। सऊदी अरब और कतर के दौरे पर भी ट्रंप ने युद्धविराम के लिए व्यापार का दबाव डालने वाला बयान दिया और भारत ने इसे नहीं नकारा। एक के बाद एक सारे भारत विरोधी बयानों के बाद अब ताजा बयान एप्पल के भारत में निवेश को रोकने के लिए ट्रंप ने दिया है। ट्रंप ने एक तरफ टिम कुक से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करे, दूसरी तरफ ये भी कहा कि श्अगर आप भारत की मदद करना चाहते हो, तो ठीक है, लेकिन भारत दुनिया के सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। वहां बेचना मुश्किल है। भारत ने हमें एक प्रस्ताव दिया है, जिसमें उन्होंने हमारे सामानों पर कोई टैरिफ नहीं लगाने का वादा किया है। गौर करने वाली बात है कि भारत क्या करने जा रहा है, या उसने क्या प्रस्ताव दिया है, यह बात नुक्कड़ की चाय दुकान पर होने वाली चर्चा में किसी आम शख्स ने नहीं कही है, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान आए हैं, इसके बाद भी भारत सरकार कुछ कह क्यों नहीं रही। इन बयानों की सच्चाई सामने क्यों नहीं रख रही, यह समझ से परे है। ट्रंप लगातार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं और मुकेश अंबानी उन्हीं ट्रंप से मिलने कतर पहुंच रहे हैं, लेकिन इस पर न कोई देशभक्ति का सवाल उठ रहा है, न कोई विरोध हो रहा है। जबकि याद रहना चाहिए कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने युद्ध में साथ देने के लिए न केवल अमेरिका, चीन, तुर्किए, अजरबेजान, यूएई और सऊदी अरब का जिक्र किया था, बल्कि कतर को भी शुक्रिया कहा था। तुर्किए और अजरबेजान का विरोध तो भारत के लोगों ने करना शुरु कर दिया है। खासकर पर्यटन उद्योग में यह विरोध देखा जा रहा है, लेकिन ऐसा ही है तो फिर कतर, सऊदी अरब, चीन, अमेरिका के लिए वैसी नाराजगी क्यों नहीं देखी जा रही। क्या देशभक्ति चयनित तरीकों से की जा सकती है। कतर में ट्रंप और अंबानी समूह के बीच कौन सी ट्रेड डील होती है, यह तो पता चल ही जाएगा, लेकिन इधर देश के बाकी व्यापारियों को भी देखना होगा कि वे तो तुर्की और अजरबेजान से व्यापार को रोक लेंगे, लेकिन क्या सरकार इन दोनों देशों के साथ संबंध तोड़ रही है या अभी सिर्फ हवा बांधी जा रही है। क्योंकि तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार को लेकर जब कांग्रेस से प्रेस कांफ्रेंस में सवाल हुआ तो जयराम रमेश या पवन खेड़ा ने इसका कोई जवाब नहीं दिया, इस पर बीजेपी नेता अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, श्देश पाकिस्तान को तुर्की और अजरबैजान के समर्थन से गुस्से में है। इन देशों के साथ व्यापार और पर्यटन के बहिष्कार की मांग बढ़ रही है, और आम नागरिक एकजुटता दिखा रहे हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद को भारतीय लोगों की भावनाओं के साथ नहीं जोड़ पा रही। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि यह जनता से इतनी दूर है कि अपने राजनीतिक अंत और पूरी तरह से अलग–थलग पड़ने के लायक है। अमित मालवीय की पोस्ट पर पवन खेड़ा ने लिखा चूंकि यह सवाल भाजपा के एक आधिकारिक व्यक्ति उठा रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री देश के सामने यह स्पष्ट करें कि क्या सरकार ने तुर्की का राजदूतावास बंद कर दिया है, और उस देश से सारे कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्ते तोड़ दिए हैं। किस देश के प्रति क्या रिश्ते रखने हैं, यह निर्णय सरकार को लेना होता है, विपक्ष को नहीं। सरकार तुरंत स्थिति स्पष्ट करे। वैसे सरकार ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ न्यूज के सोशल मीडिया अकाउंट्स के साथ तुर्किए के ब्रॉडकास्टर टीआरटी वर्ल्ड के एक्स अकाउंट को भी बंद कर दिया था, लेकिन ये प्रतिबंध 24 घंटों में ही हट भी गए।

.... विविध ....

वजन घटाने के लिए आहार में शामिल कर लीजिए ये सीड्स, कब करना चाहिए इसका सेवन

मोटापा आज के समय में एक आम समस्या बन चुका है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है। इतना ही नहीं मोटापा कई बार गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। यही वजह है कि बहुत से लोग वजन कम करने के लिए कई तरह के उपाय अपनाते हैं। बहुत से लोग डाइट में बदलाव करते हैं तो कुछ लोग योग की मदद लेते हैं। अगर आप भी वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो आज हम आपको एक ऐसे बीज के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे आप अपनी डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं अलसी के बीजों की। अलसी के बीज बाजार में बहुत आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। ये छोटे–से दिखने वाले बीज पोषक तत्वों का खजाना हैं और वजन घटाने में कारगर साबित हो सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अलसी के बीज के पोषक तत्व

अलसी के बीज फाइबर, ओमेगा–3 फैटी एसिड, और लिग्नन्स जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें मौजूद घुलनशील फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है, जिससे बार–बार भूख लगने की समस्या कम होती है। ओमेगा–3 फैटी एसिड मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और शरीर में फैट को कम करने में मदद करते हैं।

वजन घटाने में अलसी के बीज की भूमिका

अलसी के बीज वजन घटाने में कई तरह से मदद करते हैं। सबसे पहले, इनमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को सुधारता है और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर रखता है। दूसरा, ये बीज मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं, जिससे शरीर अधिक कैलोरी बर्न करता है।

अलसी के बीज का सेवन करने का सही समय

अलसी के बीज का अधिकतम लाभ लेने के लिए इसका सेवन सही समय पर करना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह खाली पेट अलसी के बीज का सेवन सबसे प्रभावी होता है। आप एक चम्मच भुने हुए या पिसे हुए अलसी के बीज को एक गिलास गुनगुने पानी के साथ ले सकते हैं। इसे नींबू और शहद के साथ मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इसके अलावा, वर्कआउट से पहले अलसी के बीज का सेवन करने से व्यायाम के दौरान अधिक ऊर्जा मिलती है।

सावधानियां

अलसी के बीज का सेवन सीमित मात्रा में करें। अधिक सेवन से दस्त या पेट में ऐंठन हो सकती है। गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

ठंडा–ठंडा आम पना

गर्मी के मौसम में यदि आप अपनी सेहत का सही से ध्यान नहीं रखेंगे तो इससे कई बीमारियां आपको जकड़ने लगेंगी। यही वजह है कि इस मौसम में लोग अपने पहनावे से लेकर खान–पान तक में बदलाव कर लेते हैं। सभी डॉक्टर्स का कहना होता है कि लोगों को इस मौसम में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए, जिसके सेवन से शरीर हाइड्रेट रहे। इसी के चलते हम आपको यहां आम पन्ना बनाने की तीन आसान विधियां बताने जा रहे हैं। ये आपको न सिर्फ लू से बचाता है बल्कि शरीर को डिटॉक्स करता है, पाचन सुधारता है और तुरंत ताजगी देता है। वैसे तो आम पन्ना बनाना काफी आसान है, लेकिन यदि आप इसे हमारी बताई विधि से आम पन्ना बनाएंगे तो ये और भी स्वादिष्ट बनेगा। तो चलिए बिना देर किए आपको आम पन्ना बनाने की तीन आसान विधियां बताते हैं।

खट्टा–मीठा आम पन्ना बनाने का सामान

इसे बनाने के लिए आपको 2 कच्चे आम,) कप चीनी, 1 चम्मच भुना जीरा, काला नमक स्वादानुसार की जरूरत पड़ेगी।

विधि

क्लासिक आम पन्ना बनाने के लिए सबसे पहले आम को उबालकर ठंडा होने दें और फिर इसी छील लें। अब इसका गूदा निकालकर इसे मिक्सी में चीनी, नमक और मसालों के साथ ब्लेंड करें। आखिर में इसमें पानी डालकर थोड़ा पतला करें और ठंडा करने के बाद सर्व करें।

मसालेदार आम पन्ना बनाने का सामान

इसे बनाने के लिए 2 कच्चे आम,) छोटा चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच भुना जीरा, काला नमक, पुदीना की पत्तियां और गुड़ या चीनी की जरूरत पड़ेगी।

विधि

मसालेदार आम पन्ना बनाने के लिए आम को उबालकर गूदा निकालें। अब इसमें पुदीना, मसाले और मीठा मिलाकर पीसें। इसके बाद इन सभी चीजों को पानी में मिक्स करें और ठंडा–ठंडा परोसें। ठंडा करने के लिए इसे आप फ्रिज में रख सकते हैं।

मिंट फ्लेवर आम पन्ना बनाने का सामान

इसे बनाने के लिए आपको 2 कच्चे आम,) कप चीनी, पुदीना पत्ते, नींबू का रस, काला नमक और जीरा पाउडर की जरूरत पड़ेगी।

विधि

मिंट फ्लेवर आम पन्ना बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आम के गूदे में पुदीना और मसाले मिलाएं। अब इसे मिक्सी में ब्लेंड करें और फिर पानी डालकर ठंडा परोसें। ऊपर से नींबू का रस मिलाएं। इसे ठंडा ही परोसना ज्यादा अच्छा लगता है।

फ्रेंच रिवेरा शहर में क्यों पहुंचे दुनियाभर के मशहूर सेलेब्स

हर साल कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन होता है, जिसमें दुनियाभर से दिग्गज सेलेब्स शामिल होते हैं। यह इवेंट फिल्मी दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन माना जाता है, जहां बड़े–बड़े सितारे रेड कार्पेट पर नजर आते हैं। इस साल कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 13 मई से 24 मई 2025 के बीच फ्रांस में आयोजित हो रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन कहां होता है? अगर पता होगा तो सिर्फ इतना कि कान फेस्टिवल फ्रांस में आयोजित होने वाला सबसे बड़ा फिल्म महोत्सव है। फ्रांस में सिर्फ पेरिस जैसा खूबसूरत शहर नहीं है। यहां कान जैसा शहर भी है जो कि फ्रेंच रिवेरा के किनारे स्थित एक छोटा सा शहर है। इस शहर में ला क्रॉसिट के किनारे एक शानदार कन्वेंशन सेंटर है जिसका नाम पैलेस डेस फेस्टिवल है, यहीं पर कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन होता है। फ्रेंच रिवेरा कई शहरों का क्षेत्र है, जिसमें कान, नीस, ट्रोपेज और मोनाको जैसे शहर शामिल हैं। आइए जानते हैं फ्रांस की खूबसूरत जगह फ्रेंच रिवेरा के पर्यटन स्थलों के बारे में। घूमने का शौक रखने वालों के लिए यहां क्या खास है और भारतीय पर्यटक फ्रेंच रिवेरा की यात्रा कैसे कर सकते हैं।

फ्रेंच रिवेरा के पर्यटन स्थल

फ्रेंच रिवेरा न केवल अपने समुद्र तटों और लग्जरी जीवन शैली के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल भी हैं। अगर आप कान फिल्म फेस्टिवल जाना चाहते हैं तो फ्रेंच रिवेरा की खास जगहों पर जरूर घूमने जाएं।

नीस

फ्रेंच रिवेरा में नीस ना सा शहर है जो कि समुद्र के किनारे बसा है। यहां का सुंदर समुद्र तट, कला संग्रहालय और पुराना शहर पर्यटकों को उत्साहित कर देगा।

सेंट ट्रोपे

दोस्तों के साथ मस्ती का मूड हो तो सेंट ट्रोपे घूमने जाएं। यहां जहह ग्लैमर और नाइटलाइफ के लिए प्रसिद्ध है। यहां लेट नाइट पार्टी का लुत्फ उठा सकते हैं।

ग्रास

फ्रेंच रिवेरा का ग्रास परफ्यूम बनाने के लिए जाना जाता है। यहां लैवेंडर के खेतों में घूम सकते हैं और खूबसूरत दृश्यों का आनंद ले सकते हैं।

मोनाको

फ्रेंच रिवेरा का मोनाको शहर रॉयल्टी, रेसिंग और कैसीनो के लिए मशहूर है। यहां के राजसी महल आपको लुभावने लगेंगे। एफ 1 रेसिंग ट्रैक पर रोमांचक एक्टिविटी में शामिल हो सकते हैं।

भारत से फ्रेंच रिवेरा की यात्रा कैसे करें?

भारतीय पर्यटक फ्रेंच रिवेरा जाना चाहते हैं तो दिल्ली या मुंबई से नीस के लिए आपको आसानी से फ्लाइट मिल जाएगी। यहां पेरिस, फ्रैंकफर्ट और एम्स्टर्डम के माध्यम से कनेक्टिंग फ्लाइट उपलब्ध हैं। नीस हवाई अड्डे से कान तक ट्रेन, बस या टैक्सी से लगभग 30 से 40 मिनट में पहुंचा जा सकता है।

वीजा और जरूरी दस्तावेज

फ्रांस जाने के लिए शेंगेन वीजा चाहिए। इसके लिए 6 महीने वैधता का पासपोर्ट, होटल और फ्लाइट बुकिंग, बैंक स्टेटमेंट और यात्रा बीमा की जरूरत पड़ेगी।

यात्रा का अनुमानित खर्च

भारत से फ्रांस की फ्लाइट का किराया राउंड ट्रिप लगभग 60000 से 90000 रुपये हो सकता है। वीजा और इंश्योरेंस के लिए सात हजार से 10000 रुपये तक व्यय करने पड़ सकते हैं। होटल का प्रति रात का किराया लगभग 10000 रुपये और भोजन व स्थानीय यात्रा में तीन से पांच हजार प्रतिदिन खर्च हो सकता है। पांच से छह दिन की फ्रांस यात्रा में लगभग डेढ़ लाख से दो लाख रुपये प्रति व्यक्ति अनुमानित खर्च आ सकता है।

बैठक मे सहायक आयुक्त (खाद्य) 2 मानिक चंद्र को अच्छे कार्य हेतु सभापति ने प्रशस्ति पत्र दिये जाने की संस्तुति

अयोध्या।उत्तर प्रदेश विधान परिषद की खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दावों के प्रचलन से जनजीवन के स्वास्थ्य समस्याओं पर रोकथाम हेतु गठित समिति की समीक्षा बैठक शनिवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में हुई।इस मौके पर समिति के सभापति राम गोपाल उर्फ गोपाल अंजान की अध्यक्षता एवं सदस्य वंदना वर्मा, मानवेंद्र सिंह, संतोष सिंह, की उपस्थिति में संपन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी अयोध्या निखिल टीकाराम फुंडे, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी,अपर जिलाधिकारी प्रशासन, मंडल के अन्य जनपदों से आए हुए जिलाधिकारी,अपर जिलाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक व संबंधित विभाग के मंडलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।इस मौके पर जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा समिति के मंडल के सभी जनपदों के उपस्थित अधिकारियों की ओर से स्वागत किया गया तथा सभापति एवं सदस्यो को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र तथा सम्मान चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।अपर जिलाधिकारी नगर द्वारा पुष्प गुच्छ एवं सम्मान चिन्ह प्रदान कर समिति के साथ आए हुए विशेष सचिव एवं अन्य कर्मचारियों का स्वागत किया गया। बैठक मे विशेष सचिव प्रताप नारायण द्विवेदी द्वारा बताया गया कि समिति एक मिनी सदन की तरह है एवं समिति के साथ बैठक एवं समीक्षा की बिंदुओं पर अपनी बात कहते समय अधिकारी गणों द्वारा वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा कि सदन में किया जाता है।एजेंडा बिंदुओं के अनुसार जनपदवार सभी विभागों की समीक्षा की गई। लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियों के संबंध में समिति द्वारा अधिकारियो से उनकी कार्य प्रणाली एवं जनपद की स्थिति पर चर्चा की गई।सभापति द्वारा सर्वप्रथम खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की समीक्षा की गई जिसमें अन्य जनपदों के अपेक्षाकृत अयोध्या जनपद के कार्य प्रणाली पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए सहायक आयुक्त (खाद्य) 2 मानिक चंद्र सिंह को अच्छे कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र दिये जाने की संस्तुति की।तत्पश्चात यूनानी विभाग की समीक्षा की गयी जिसमें सभापति महोदय द्वारा निर्माण इकाइयों के लगातार निरीक्षण के आदेश दिए गए, सभापति महोदय द्वारा समाज कल्याण विभाग, जिला कार्यक्रम विभाग, आबकारी विभाग आदि के कार्यों की समीक्षा करते हुए समाज कल्याण विभाग अयोध्या के कार्यों से असंतुष्ट होकर उन्हें लखनऊ विधान परिषद सदन में बुलाए जाने का निर्देश जारी किया साथ ही साथ जिला आबकारी विभाग अयोध्या के कार्यों से असंतुष्टि प्रकट किया। विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय करते हुए प्रभावी कार्यवाही पर बल दिया गया। सभापति महोत्सव द्वारा निर्देश दिए गए कि मिड डे मील कस्तूरबा गांधी विद्यालयों राशन की दुकानों एवं आंगनबाड़ी पुष्टाहार केंद्रों के निरीक्षण खाद्य सुरक्षा विभाग एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से समन्वय के साथ प्रभावी रूप से किया जाए।मंडल के अन्य जनपदों के जिला अधिकारियों के स्थान पर अपर जिला अधिकारियों के द्वारा प्रतिभा किए जाने पर सभापति असंतोष व्यक्त किया गया तथा निर्देश दिए गए कि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को नामित करने के विषय में समिति से भी जिला अधिकारी महोदय द्वारा चर्चा कर ली जाए। जिलाधिकारी अयोध्या महोदय द्वारा समिति को आश्वासन दिया गया की अन्य जनपदों के समकक्ष अधिकारियों से वार्ता उपरांत सुनिश्चित किया जाएगा कि समिति के साथ अधिकारियों का संवाद बरकरार रहे। शजिलाधिकारी द्वारा समिति के सभापति एवं सदस्य को अरवस्थ किया गया कि बैठक में समिति द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का सभी जनपदों में अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

मानसून पूर्व सफाई अभियान : स्वेज इंडिया और जलकल विभाग की संयुक्त पहल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।शहर को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए मानसून से पहले व्यापक सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। स्वेज इंडिया और जलकल विभाग के संयुक्त प्रयासों से सुपर शकर मशीन के माध्यम से गहरे सीवर मैनहोल की सफाई की जा रही है। स्वेज इंडिया के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने बताया, यह अभियान उन स्थानों पर विशेष रूप से केंद्रित है जहाँ हर साल बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है। सुपर शकर मशीन की मदद से सीवर की गहराई तक पहुंचकर जमी हुई गाद और अवरोधों को हटाया जा रहा है, जिससे पानी के बहाव में कोई रुकावट न रहे। स्वेज इंडिया के अधिकारियों ने बताया कि मानसून से पहले यह कार्यवाही पूरी कर लेने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि बारिश के दौरान आम जनता को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। जलकल विभाग ने भी आमजन से सहयोग की अपील की है ताकि सफाई कार्य में कोई बाधा न आए। यह संयुक्त पहल शहर को जलभराव मुक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

रोज ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ रेड रोज ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने हाल ही में बोर्ड परीक्षाओं में 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह समारोह गर्व और उपलब्धि का जीवत प्रदर्शन था। इसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने उनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ता और अध्ययनशीलता के लिए सनाहा गया। विशेष

उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया, जिसमें न केवल उनके परिणामों को बल्कि उनके अनुशासन और दूसंकल्प भी मान्यता दी गई जिसने उन्हें सफलता की ओर अग्रसर किया। इस अवसर पर कक्षा 12 की छात्रा शांभवी शुक्ला ने जिला टॉपर का स्थान प्राप्त कर संस्थान को और अधिक प्रतिष्ठा दिलाई। उनकी इस उपलब्धि ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को और अधिक प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक आर०सी० मिश्रा, प्रबंध निदेशक डॉ० प्रशान्त कुमार मिश्रा एवं अध्यक्षा स्मिता मिश्रा ने छात्रों की व्यक्तिगत रूप से बधाई दी। उनके प्रोत्साहन भरे शब्दों और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता ने उपस्थित सभी छात्रों को प्रेरित किया।

दीपानू की शानदार बल्लेबाजी से फ्यूजन क्रिकेट क्लब की शानदार जीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

मंगलौर, हरिद्वार।स्वर्गीय श्री पूरनचंद त्यागी स्टेडियम के मैदान पर फ्यूजन क्रिकेट क्लब एवं नवयुवक क्रिकेट क्लब के मध्य खेले गए मैच में फ्यूजन क्रिकेट क्लब ने पहले खेलते हुए अपने निर्धारित 25 ओवर में 298

रन का लक्ष्य दिया। जिसमें दीपानू 66 रन, शुभम चौधरी 57 रन, चिराग 32 एवं दिविकके 34 रन शामिल थे। नवयुवक क्रिकेट क्लब की ओर से विवेक चौधरी ने 5 ओवर में 70 रन खर्च करके एक विकेट लिया दीपक चौधरी ने पांच ओवर में 70 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया शिवम सैनी ने नवयुवक क्रिकेट अकादमी की ओर से सबसे ज्यादा तीन ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट प्राप्त किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवयुवक क्रिकेट अकादमी की टीम 25 ओवर में मात्र 167 रनिंग बड़ा पाई जिसमें सिद्धार्थ चौधरी 17 रन, विवेक चौधरी मात्र 50 रन का योगदान दिया। फ्यूजन क्रिकेट अकादमी की ओर से शुभम और चिराग को एक–एक विकेट प्राप्त हुआ जबकि दिविकचौहानको दो विकेट प्राप्त हुए। इस प्रकार फ्यूजन क्रिकेट क्लब ने 130 रन से बहुत बड़ी जीत हासिल की।

लखनऊ पुलिस और मेदांता हॉस्पिटल का ऐतिहासिक सहयोग : आपातकाल में अब पुलिसकर्मी बनेंगे जीवनरक्षक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पुलिस की कार्यदक्षता एवं सेवा क्षेत्र को नया आयाम देने के उद्देश्य से श्रीमान पुलिस आयुक्त, लखनऊ महोदय के मार्गदर्शन में मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ और पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के तहत, शहर के पुलिसकर्मियों को कार्डियक अरेस्ट जैसी आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) और बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह पहल पुलिस बल को आम नागरिकों के जीवन की रक्षा करने में सक्षम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पहल का उद्देश्य पुलिस बल को आम नागरिकों के जीवन बचाने में सक्षम बनाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ

प्रशिक्षण का स्वरूप

– पुलिसकर्मियों को कार्डियक अरेस्ट जैसी आपात स्थितियों में सीपीआर की विधि, ऑक्सीजन स्तर मापन, रक्तचाप निगरानी, और बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) का प्रशिक्षण दिया गया।

– प्रशिक्षण के दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें रक्तचाप, नाड़ी, तापमान और ऑक्सीजन संतृप्ति (एसपीओ2) जैसी जांचें की गईं।

– मेदांता हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा प्रैक्टिकल वर्कशॉप और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन।

– प्रशिक्षण के दौरान 200 पुलिसकर्मियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच (रक्तचाप, नाड़ी, ऑक्सीजन स्तर) की गई।

प्रशिक्षण का उद्देश्य

– पुलिसकर्मियों को गोल्डन ऑवरम (आपातकाल के प्रथम 60 मिनट) के दौरान तत्काल चिकित्सकीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना।

– सीपीआर तकनीक, ऑक्सीजन स्तर मापन, रक्तचाप निगरानी और बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) में दक्षता विकसित करना।

कार्डियक अरेस्ट के मामलों में गोल्डन ऑवरम (प्रथम 60 मिनट) अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पुलिसकर्मियों का यह प्रशिक्षण इस अवसर का सदुपयोग करते हुए जनजीवन की रक्षा करने में मील का पत्थर साबित हो सकता है। लखनऊ पुलिस की समाज के प्रति यह सामूहिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में आशान्वित प्रयास है।

सहयोग का सामाजिक महत्व

त्रिपक्षीय लाभरू यह पहल नागरिक–पुलिस–चिकित्सा के सहयोग का अनूठा उदाहरण है, जो आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाएगी।

आँकड़ों की भूमिकारू भारत में हर साल 1.7 लाख से अधिक लोग कार्डियक अरेस्ट के शिकार होते हैं। प्रशिक्षित पुलिसकर्मी इस संख्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नागरिक–पुलिस विश्वासरू यह पहल आम जनता और पुलिस के बीच विश्वास के सेतु को मजबूत करेगी।

भविष्य की रणनीति

– लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के सभी 58 थानों के पुलिसकर्मियों को चरणबद्ध तरीके से यह प्रशिक्षण दिया जाएगा।

– मेदांता हॉस्पिटल द्वारा नियमित अंतराल पर पुलिस कर्मियों के लिए कोर्स और प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

– प्रशिक्षित कर्मियों के लिए रिफ्रेशर कोर्स और डिजिटल लर्निंग मॉड्यूल उपलब्ध कराए जाएंगे।

विशेषज्ञों के विचार

डॉ. राकेश कपूर (निदेशक, मेदांता लखनऊ) ने कहा, ष्यह प्रशिक्षण पुलिस बल को दुर्घटनास्थल पर तत्काल सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। पुलिस बल का यह प्रशिक्षण समाज में जीवनरक्षक दक्षता बढ़ाएगा। सीपीआर जैसी तकनीकें आपातकाल में अमूल्य साबित होती हैं।

डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता, निदेशक, आपातकालीन विभाग, मेदांता लखनऊ ने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए आपातकालीन चिकित्सा का प्रशिक्षण बेहद महत्वपूर्ण है। आपातकाल के समय त्वरित और सटीक प्रशिक्षण पुलिस को आमजन का जीवन बचाने की न सिर्फ शक्ति देता है बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा का संदेश भी देता है।

अधिकारियों की प्रतिक्रिया

पुलिस आयुक्त, लखनऊ ष्पुलिसकर्मी अक्सर दुर्घटनास्थल पर सबसे पहले पहुँचते हैं। उनका प्रशिक्षित होना ष्गोल्डन ऑवरष् का सदुपयोग सुनिश्चित करेगा। यह सहयोग समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को दर्शाता है।ष

"यह पहल पुलिस बल को एक ष्मल्टी–स्किल्ड फोर्सष् बनाने की दिशा में अहम है। आपातकाल में सीपीआर जैसी तकनीकें नागरिकों के जीवन बचाने में निर्णायक साबित होती हैं। हमारा लक्ष्य है कि लखनऊ पुलिस का हर जवान इस कौशल से लैस हो।

अमित वर्मा, संयुक्त पुलिस आयुक्त, मुख्यालय एवं अपराधरू

ष्इस प्रशिक्षण ने हमारे कर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब वे न केवल कानून व्यवस्था, बल्कि जनस्वास्थ्य की रक्षा में भी अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

प्रशिक्षण के दौरान पुलिस कमिश्नरेट की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत 50 पुलिसकर्मी, जिनमें 112 सेवा के कर्मी भी सम्मिलित हैं, ने भाग लिया। साथ ही, सौम्या पांडे (एसीपी – विमेन क्राइम 112 लखनऊ) भी उपस्थित रहीं।

हाई ब्लड प्रेशर एक शांत खतरा है प्रो0 डा0रुचिरा सेठी

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्राचार्य प्रो० डा० रुचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो० डा० ए०ए० जाफरी के निर्देश में मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष, डा० विनोद कुमार द्वारा 17 मई, 2025 को विश्व हाइपरटेंशन दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। मेडिकल कालेज की प्राचार्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि ष्हाई ब्लड प्रेशर एक शांत खतरा है, कालेज के छात्रों एवं हर नागरिक से अनुरोध है कि वह अपने और अपने परिवार के सदस्यों का रक्तचाप अवश्य जांचें। जागरूकता ही बचाव है। एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हम हाइपरटेंशन पर नियंत्रण पा सकते हैं और एक दीर्घ एवं रोगमुक्त जीवन जी सकते हैं। ष्ठ कालेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए० ए० जाफरी ने हाइपरटेंशन दिवस के इस वर्ष की थीम है ष्जानिए अपना ब्लड प्रेशर, इसे नियंत्रित कीजिए– एक लंबा और स्वस्थ जीवन जीने के लिए। उन्होंने बताया कि हाइपरटेंशन को ष्मूक हत्याराष् कहा जाता है, क्योंकि इसके लक्षण अक्सर स्पष्ट नहीं होते है, लेकिन यह हृदयघात, स्ट्रोक, किडनी फेलियर और अन्य गंभीर रोगो का मुख्य कारण बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग उच्च रक्तचाप से ग्रसित है। इस कार्यक्रम के अतिथि, जौनपुर जिले के मशहूर कार्डियोलाजिस्ट, डा० अमित सिंह के द्वारा हाइपरटेंशन पर अपने विचारो को व्यक्त किया गया कि संतुलित आहार, कम नमक सेवन, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन और धूम्रपान व शराब से दूरी बनाकर हाइपरटेंशन को रोका जा सकता है। उक्त रक्तचाप वाले व्यक्ति को नियमित दवा लेनी चाहिए और नियमित फॉलोअप चेकअप कराना चाहिए। डा० जितेन्द्र कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग ने हाइपरटेंशन से होने वाले कम्पलिकेशन के बारे में बताया। मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष, डा० विनोद कुमार द्वारा क्वीज विनर्स एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

जिले का कोऑर्डिनेटर बनाए गए पूर्व एमएलसी दीपक सिंह

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। प्रदेश सरकार में पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक सिंह को जिले का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। कांग्रेस हाईकमान ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी पंचायत चुनाव व विधानसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर यह अहम दायित्व सौंपा है।दीपक सिंह की गिनती कांग्रेस के जुझारू और अनुभवी नेताओं में होती है। उन्हें संगठनात्मक समझ और स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच अच्छी पकड़ के लिए जाना जाता है। इससे पहले पार्टी ने रायबरेली शहर के लिए पूर्व सांसद स्व. राम सिंह के पुत्र योगेश प्रताप सिंह को कोऑर्डिनेटर बनाया था। अब सुल्तानपुर में दीपक सिंह की नियुक्ति से कांग्रेस के मिशन

2026–27 की रणनीति को बल मिलने की उम्मीद है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुवाई में पार्टी की रणनीतिक टीम फ्रंट फुट पर आकर काम कर रही है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे संगठन के पुनर्गठन की निगरानी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में संगठन के कुशल रणनीतिकार राजेश तिवारी को भी इस काम में अहम भूमिका दी गई है।सूत्रों के अनुसार, निकट भविष्य में पार्टी के कुछ और वरिष्ठ नेताओं को जिलेवार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री श्रीपति मिश्र के पुत्र समेत दर्जन भर नेताओं को शामिल किया जाएगा, जो कांग्रेस के मिशन 2026 व 2027 को कामयाब बनाने के लिए जुझारू टीम के साथ मिलकर काम करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली गई तिरंगा यात्रा

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर । ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के सम्मान में रविवार को सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय उर्फ राजबाबू के नेतृत्व में बगिया गांव चौराहे से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई यात्रा में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् जैसे नारों से माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया विधायक राजबाबू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की रणनीतिक सफलता और साहस का प्रतीक है यह यात्रा देशवासियों की सेना के प्रति अटूट श्रद्धा और समर्थन को दर्शाती है उन्होंने कहा जब भी देश पर संकट आता है हम सब कंधे से कंधा मिलाकर अपनी सेना के साथ खड़े होते हैं यह तिरंगा यात्रा हमारे संकल्प और समर्थन का प्रतीक है इस मौके पर पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए

जवानों को भी श्रद्धांजलि दी गई विधायक ने कहा कि उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता और देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा तिरंगा यात्रा के समापन पर देश की एकता अखंडता और सेना के गौरव को बनाए रखने का संकल्प लिया गयाध कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं महिलाओं सामाजिक संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही।

"नवागत छात्र-छात्राओं के स्वागत में सजी स्नेह-संध्या"

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मॉण्टफोर्ट इंटर कॉलेज के सभागार में कक्षा 6 में प्रवेश लेने वाले नवीन विद्यार्थियों के सम्मान में एक आत्मीय एवं सुसंस्कृत ओरियन्टीन नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यालय परिवार द्वारा नए साथियों के प्रति अपनत्व, सद्भाव और सौहार्द की भावना को प्रकट करने का एक विनम्र प्रयास रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य ब्रदर जीनू अब्राहम ,उपप्रधानाचार्य ब्रदर टी.टी. मैथ्यू,विद्यालय की समन्वयिका नीना दास तथा बिन्दू पिल्लई रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया, तथा प्रधानाचार्य ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहाकृ ष्विद्या वह दीपक है, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर जीवन पथ को आलोकित करता है।ष उन्होंने नवागंतुकों का विद्यालय परिवार में आत्मीयता के साथ स्वागत करते हुए उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएँ दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय समन्वयिका बिन्दू पिल्लई ने की। उन्होंने छात्रों को विद्यालय की मर्यादाओं, अनुशासन तथा एकता के महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम की प्रमुख सांस्कृतिक गतिविधियाँ इस प्रकार रहीं

सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति,शास्त्रीय नृत्य एवं फ्यूजन फिएट,उड़ीसी नृत्य,कत्थक तथा भरतनाटयम प्रत्येक गतिविधि में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। रंग–बिरंगी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चो के मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रकार के खेल कूद का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर शिक्षकों एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की मुक्तकंठ से सराहना की तथा विद्यालय के इस प्रयास की भूरि–भूरि प्रशंसा की। यह आयोजन न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव बना, अपितु छात्रों के बीच मित्रता एवं सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने का माध्यम भी सिद्ध हुआ। राष्ट्रगान तथा धन्यवाद उद्बोधन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

पत्रकारों का सम्मान व सुरक्षा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की प्राथमिकता - देवी प्रसाद गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बेंगलुरु। पत्रकारों की सुरक्षा व सम्मान सर्वोपरि है। ग्रामीण एवं शहरी पत्रकारों में भेदभाव न करके उनको एक सशक्त मंच प्रदान करना ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की प्राथमिकता है। स्वतंत्रता संग्राम हो या आजादी का अमृत महोत्सव, पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब ष्विकसित भारतष् संकल्प का स्वप्न साकार करने में भी पत्रकार बंधु अपना विशेष योगदान दे रहे हैं। यह विचार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने बेंगलुरु प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित परिचर्चा एवं प्रेस–वार्ता में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान पत्रिका अखबार के सेवानिवृत्ति वरिष्ठ पत्रकार तथा ष्शुभ लाभष् समाचार पत्र के संपादक सुरेंद्र जी ने की। उन्होंने कर्नाटक में एसोसिएशन की इकाई के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पत्रकारों की एकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रवि राजहंस ने समाज हित में पत्रकारों के योगदान पर चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकारों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। जनता की आवाज उठाने पर उन्हें अक्सर धमकियां मिलती हैं। हर किसी को समाज उत्थान के लिए सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अर्पणा जी द्वारा प्रस्तुत गीत ष्ज्योति कलशष् छलकेष अत्यंत सराहनीय रहा। अर्पिता कपूर ने उपस्थित पत्रकारों का स्वागत किया। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने कहा कि संगठन अपने स्थापना–काल से उन पत्रकारों की पहचान एवं स्वाभिमान–रक्षा का प्रयास करता चला आ रहा है जिनकी लेखनी से प्रिंट अथवा इलैक्ट्रानिक मीडिया का दो तिहाई हिस्सा भरा रहता है। भारत के सर्वांगीण विकास तथा अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता में भारत के गांवों–कस्बों की बड़ी भूमिका है। इसलिये भी ऐसे क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की महत्ता और बढ़ जाती है। यह बात हमारी शासकीय व्यवस्था के समक्ष स्पष्ट हो सके, इसके लिये ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मजबूती से इस पक्ष को रखने का काम करता चला आ रहा है। अब कर्नाटक जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रवेश कर संगठन बड़े गौरव का अनुभव कर रहा है। हम, आप सभी के साथ मिल कर, आपकी ही अगुवाई, में कर्नाटक में पत्रकारों के हित के लिये कुछ विशेष कर पाये, तो यह हमारी बड़ी उपलब्धि होगी। इस समय मीडिया के क्षेत्र में भी पूंजीवाद हावी है। परिणाम स्वरूप समाचारों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ रहे हैं। सकारात्मक पत्रकारिता के साथ ही तथ्य परक समाचारों का प्रस्तुतीकरण समय की मांग है। कर्नाटक की धरती संतो, त्यागियों और बलिदानियों की धरती है। देश की डिजिटल क्रांति में कर्नाटक का महत्वपूर्ण योगदान एवं स्थान है। पत्रकारों के हित रक्षार्थ हमें आप सभी का सहयोग मिलता रहेगा, ऐसा, विश्वास है। अपनों से, अपनी बात कहने का अवसर देने के लिए, हम बेंगलुरु

प्रेस क्लब के विशेष आभारी है। सम्मानित किए गए वरिष्ठ पत्रकार कार्यक्रम में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन एसोसिएशन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के लिए जनाब यासिर (न्यूज नेशन), निहाल किदवई (एनडीटीवी), सुरेंद्र जी (राजस्थान पत्रिका), भानु जी (दक्षिण भारत राष्ट्र मत) , टी राघवन (इंडिया टीवी), जयपाल शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार) को स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया।

बीजेपी ने निकाली तिरंगा यात्रा हजारों की संख्या में लोग हुए शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर , पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को सेना द्वारा नेस्तोनाबूद करने पर भाजपा ने पूरे देश मे तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया था।इसी क्रम में जौनपुर में भी शनिवार को बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाला।कालीचबाद स्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति पर तिरंगा यात्रा के प्रभारी क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया के साथ यूपी के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव,महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह,राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने माल्यापर्ण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।वहीं मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।तिरंगा यात्रा शहीद स्तंभ पर समापन हुआ। इस मौके पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि सेना के सम्मान में पूरे देश मे भाजपा तिरंगा यात्रा निकाल रही है,हमारी सेना ने जिस तरह से पाकिस्तान को उनकी औकात में लाने का काम किया है,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज पूरा देश जश्न मना रहा है। विपक्ष द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर सबूत मांगने के सवाल पर कहा कि पहलगाम में जिस तरह से हमारी बहनों के सिंदूर उजाड़े गए और बहनों ने कहा कि हमको भी मार दीजिये तो आतंकियों ने कहा कि तुम्हे छोड़ रहे है जाकर मोदी से बता देना,विपक्ष को शर्म आनी चाहिए ऐसी बाते करने के लिए। पाकिस्तान और एक दो देश को छोड़कर कोई देश ऐसा नही चाहता कि अमन चौन न हो,सभी लोग अमन चौन शांति चाहते है।पाकिस्तान आज हांथ जोड़कर माफी मांग रहा है कि मोदी जी माफ कर दो दुबारा ऐसी गलती नही करेंगे। समाजवादी पार्टी हमेशा से इसलिए जानी जाती की इनकी सोच इनकी बात गंदी रही है इनकी विचारधारा हमेशा से घटिया रही है। मैं इसकी निंदा करती हूं।रही बात डीएनए टेस्ट की तो अखिलेश यादव का होना चाहिए पूरी समाजवादी पार्टी का होना चाहिए।इनके अंदर देश के प्रति कोई भाव नहीं कोई लगाव नहीं जिस देश के अंदर ये रहते हैं।हमारे देश की सेना ने कैसे पाकिस्तान के ठिकानों को नष्ट करके वापस लौट आई और वो सबूत मांग रहे हैं मैं इसकी घोर निंदा करती हूं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सेवा के जवानों ने पाकिस्तान से जहां आतंकवादी गतिविधियां संचालित हो रही थी उसे पूरी तरह से निस्त नाबूत कर दिया है उनके सम्मान में और माननीय प्रधानमंत्री जी का आभार करने के लिए आज तिरंगा यात्रा निकाली गई है। सीस फायर को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है और सेना से इसका सबूत मांग रहा है इस पर उन्होंने कहा कि इस देश में जब भी कोई आतंकवादी घटना हुई है चाहे वह उड़ी घटना हुई चाहे वह पुलवामा की घटना हुई है चाहे पहलगाम की घटना है इसको हमारे जांबाज सेवा के जवानों ने जहां से आतंकी गतिविधियां चल रही थी उसे पूरी तरह से निस्त नाबूत कर दिया है। उन जांबाज सेवा के जवानों के सम्मान में यह तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। पूरा देश सेवा के तीनो विंग को सलाम कर रहा है उनके सम्मान में यात्रा निकाली गई है। निश्चित रूप से इन आयोजन के माध्यम से उनका और हौसला बढ़ेगा और आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री जी ने यह कहा है कि अभी ऑपरेशन सिंदूर का कार्यक्रम अब कोई भी घटना आतंकवादी होगी उसको हम युद्ध के रूप में जवाब देंगे अब किसी और बात की कोई आवश्यकता नहीं है। महारष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री व भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने कहा कि 22 अप्रैल को जिस ढंग से हमारी बहनों की मांग को सूनी करने वाले आतंकी हत्यारो ने जो कृत्य किया था देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं अतंकवाद को मिट्टी में मिला दूंगा और उसके बाद भारत की तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाने का काम किया है।सैनिकों के सम्मान में पूरा देश खड़ा हुआ है और आज उसी सम्मान में तिरंगा रैली निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है ऑपरेशन सिंदूर को विपक्ष नही समझ पाया लेकिन पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर का मतलब समझ आ गया है।

मुख्यमंत्री से मिले राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर कर्मचारी संघ के पदाधिकारी समेत राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उन्हें कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिया। राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. संजय शुक्ला , महामंत्री नंदकिशोर सिंह अध्यक्ष पूर्वांचल विश्वविद्यालय, और संगठन मंत्री रमेश यादव महामंत्री पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मुलाकात की।इस दौरान विश्वविद्यालय कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें अवकाश, नकदीकरण, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, संविदा तदर्थ कर्मचारियों के विनियमित किए जाने और अन्य महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। राज्य कर्मचारी महासंघ के निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ समारोह में उपस्थित होने हेतु निवेदन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द समय देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया। कर्मचारियो की यह मुलाकात कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उनके अधिकारों और कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सभी कर्मचारियों को इस सकारात्मक विकास का स्वागत करना चाहिए और विश्वास रखना चाहिए कि सरकार हमारी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है।

स्व0 बी यन सिंह की पुण्य तिथि पर पेंशनर्स सभा कर श्रध्दांजलि अर्पित किए

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की अगुवाई मे जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे कलेक्ट् परिसर मे स्थित पेंशनर्स सभा कक्ष मे श्रध्दांजलि सभा की गई । श्रध्दांजलि सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष सी बी सिंह ने कर्मचारी समाज के मसीहा स्व0 बी यन सिंह के संघर्षो को स्मरण करते हुए केंद्रीय एवं प्रान्तीय कर्मचारियो पेन्शनर्स के महगाई भत्ता की समानता के लिए वर्ष 1966 के संघर्ष एवं केंद्रीय कर्मचारियो के समान राज्य कर्मचारियो को बेतन की समानता के लिए वर्ष 1986 तथा दो प्रोन्नत बेतन मान के लिए वर्ष 1994–95 मे किए गए संघर्ष मे लम्बे समय तक हड़ताल के पश्चात प्राप्त होने का स्मरण कर श्रध्दांजलि अर्पित करते हुए स्व0 बी यन सिंह के पदचिन्हो पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। सभा को संबोधित करते हुए ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रीयल उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बिक्रम सिंह बरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने अपने सम्बोधन मे कर्मचारी हितो के लिए स्व0 बी यन सिंह के संघर्ष को याद करते हुए दो प्रोन्नत बेतन मान की मांग के आन्दोलन मे स्वयं इक्यावन दिन की जेल यात्रा का संस्मरण सुनाते हुए श्रध्दांजलि अर्पित किए। श्रध्दांजलि सभा को मुख्य रूप सेओकाघ्रनाथ मिश्र, नरेंद्र कुमार त्रिपाठी, रामअवध लाल, के के तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबली यादव, संप्रेक्षक रामश्रय रजक, कंचन सिंह , शम्भूनाथ यादव, आदेश कुमार, कलीम, उल्ला दशरथ राम, रामसूरत यादव, रामबचन मौर्य, लालजी, मदन मोहन सोनकर, रमेश, लोकनाथ यादव , प्रमोद कुमार सिंह ,गोरखनाथ माली ,पारसनाथ ,सुक्खूराम ,छोटेलाल ,रामसूरत यादव आदि ने सम्बोधित करते हुए स्व0 वी यन सिंह के संघर्ष को याद कर उनके पदचिन्हो पर चलने का संकल्प ब्यक्त किया। सभा मे बडी संख्या मे पेंशनर्स उपस्थित होकर श्रध्दांजलि अर्पित किए। अन्त मे संगठन के पूर्व उपाध्यक्ष स्व0 जितेंद्रकुमार तिवारी के असामयिक निधन पर शोक प्रकट करते हुए दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर सभा समाप्त की गयी।श्रध्दांजलि सभा का संचालन जिलामन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने किया।

पशु तस्करों ने पुलिस पर चढ़ाई, गाड़ी सिपाही शहीद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार देर रात पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनो और गौ तस्करों को पकड़ने के लिया अभियान चलाया जा रहा है।इस दौरान चेकिंग करते हुए गोस्करों ने पुलिस टीम पर पिकअप चढ़ा दी। इसमें एक सिपाही शहीद हो गया। पुलिस ने तस्करों को कई किमी तक पीछा किया। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इसमें एक बदमाश सलमान मारा गया, जबकि नरेंद और गोलू यादव को पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार 17 मई की रात 12 बजे खुज्जी मोड़ के पास चेकिंग कर रही थी, तभी गोस्करों की पिकअप आई। पुलिस टीम को देखकर पिकअप भागने लगी। कांस्टेबल दुर्गेश ने रोकने की कोशिश की तो तस्कर उसे टक्कर मारते हुए भाग गए।अचानक हुए हमले से पुलिस टीम कुछ समझ नहीं पाई। तुरंत कॉन्स्टेबल को अस्पताल ले जाया गया। वहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस की एक टीम ने बदमाशों का पीछा करना शुरू किया। जो बदमाशों ने पिकअप रास्ते में ही छोड़कर दो बाइक में सवार होकर भागने लगे। भागते समय कोइलारी में बगीचे के पास पहुंचे थे कि पुलिस टीम भी बदमाशों के करीब पहुंच गयी। बदमाशों ने पुलिस दल पर फायर कर दिया। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। जिसके चलते नरेंद्र यादव पुत्र हौसिला प्रसाद यादव निवासी रमना चौबेपुर वाराणसी व दूसरा गोलू उर्फ राजकुमार यादव पुत्र संकठा यादव निवासी टड़िया थाना अलीनगर चंदौली के पैरों में गोली लगने से घायल हो गये। वहीं तीसरा बाइक सवार सलमान पुत्र मुसाफिर निवासी मुथरापुर कोटवा थाना जलालपुर जिला जौनपुर के सीने में गोली लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे नजदीकी अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस मामले में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया कि जनपद 14, 15 की रात में पुलिस की टीम जलालपुर थाना अंतर्गत सब इंस्पेक्टर प्रतिमा सिंह अन्य के पुलिसकर्मियों के साथ गस्त कर रही थी तभी एक संदिग्धा पिकअप वाहन द्वारा पुलिस की टीम पर हमला किया गया तथा उन्हें रोकने का प्रयास किया गया था इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था वर्तमान समय में प्रतिमा सिंह का ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। इसी को लेकर अभियुक्त की गिरफ्तारी और पिकअप की धर पकड़ के लिए इन टीमों को लगाया गया था। 17घ18 की रात जलालपुर थाना अंतर्गत पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की यही पिकअप वाहन खड़ी है इस पर पुलिस द्वारा घेरा बंदी किया गया तो पिकअप में बैठे अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर लक्ष्य कर फायर किया गया पुलिस पर जानलेवा हमला करते हुए वहां से निकलने का प्रयास किया गया।

पुलिस की हेड कांस्टेबल दुर्गेश कुमार सिंह मौके पर मौजूद थे उनके द्वारा इनको रोकने का प्रयास किया गया तो अभियुक्तों ने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया और जानलेवा हमला किया ।घायल कांस्टेबल को ट्रामा सेंटर ले गया जहां इलाज के दौरान रविवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस की कई टीमों को गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है बदमाश अपनी पिकअप खड़ी कर बाइक से भागने का प्रयास कर रहे थे। अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर फायर किया गया पुलिस द्वारा जवाबी की गई कार्रवाई में तीन लोगों को गोली लगी जिसमें नरेंद्र यादव गोलू यादव और सलमान को गोली लगी जिनका इलाज हेतु जिला अस्पताल लाया जा रहा था कि रास्ते में सलमान की मौत हो गई शेष दो अभियुक्तों को जिला अस्पताल में भर्ती करते हुए उनका इलाज कराया जा रहा है ।कांस्टेबल दुर्गेश की पोस्टमार्टम के उपरांत उन्हें सम्मान देते हुए शव का अंतिम क्रिया कर्म कराया जाएगा।

भ्रष्टाचार,लूट खसोट की अड्डा बनी जेडी,डीडीआर व डीआईओएस कार्यालय की मुख्य पहचान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक, उप शिक्षा निदेशक माध्यमिक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय भ्रष्टाचार, लूट खसोट के साथ–साथ 5 साल से अधिक एक ही पटल पर जमे कर्मचारियों की खास पहचान बन चुकी है।फरियादियों की समस्या की निस्तारण करने की कौन बात करे यहां तक कि इस कार्यालय मे तैनात कर्मचारियों को अगर इस विभाग के किसी पटल से काम तो वह भी बिना घूस के नहीं हो रहा है।थक हार उक्त कर्मचारी अपने ही अधिकारी के पास चक्कर लगा रहा है।अब इससे यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब इस विभाग के कर्मियों का काम संबंधित पटल के कर्मचारी नहीं कर रहे तो दूर दराज से आने वाले शिक्षकों प्रधानाचार्य तथा अन्य फरियादियों की कार्य कैसे हो रहा होगा।देखा जाए तो यह जानकारी संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक के साथ–साथ उप शिक्षा निदेशक माध्यमिक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक को भी है।सूत्रों की माने तो यहां पर टीसी की काउंटर साइन से लेकर अन्य कार्य घूस के बिना यहाँ तैनात कर्मचारी नहीं कर रहे है।इस समय बच्चों का दाखिला होने के चलते तो वहां पर तैनात कर्मचारी एक–एक टीसी के काउंटर साइन के बदले 30 रुपये से लेकर 80 रुपए तक वसूल रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी तो सेवा निवृति होने वाले उन शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य को हो रही है जो महीने में कई बार अपने काम के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक, संयुक्त शिक्षा निदेशक तथा उप शिक्षा निर्देशक कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनकी समस्या कई वर्षों से जो कि त्यो बनी हुई है।शनिवार को टीसी काउंटर साइन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर आए नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यहां पर एक–एक टीसी काउंटर साइन के लिए घ30 से लेकर घ80 तक तैनात कर्मचारियों द्वारा लिया जा रहा है।उन्होंने बताया कि उक्त कर्मचारी की तैनाती करीब 7 साल से अधिक इसी पटल पर है।यह तो सिर्फ एक उदाहरण भर है।जबकि इन तीनों कार्यालय में तैनात कई कर्मचारी एक–एक पटल पर 10–10 वर्षों से जमे हुए हैं।यहां पर कर्मचारियों का खुद मानना है कि दूसरे फरियादियों की तो छोड़िए हम लोगों का काम भी संबंधित पटल पर तैनात कर्मचारियों को बिना घूस दिए नहीं होता है।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने बताया कि अगर विभाग के कर्मचारियों द्वारा घूस लेने की संबंध में यदि कोई शिकायत कर्ता शिकायत करता है तो उक्त कर्मी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

सेना के जवानों के सम्मान में रविवार को निकली तिरंगा यात्रा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।आचार्य नरेंन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल (डॉ.) बिजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के अन्तर्गत सेना के जवानों के सम्मान में रविवार को सुबह–सुबह तिरंगा यात्रा निकाली गई।यह तिरंगा यात्रा अवध विवि के सरदार वल्लभभाई पटेल प्रशासनिक भवन से शुरू होकर, नाका, मकबरा, पुष्पराज चौराहे से होते हुए डोगरा रेजिमेंट क्षेत्र के वार मेमोरियल पर समाप्त हुई। कर्नल (डॉ.) सिंह तिरंगा यात्रा का नेतृत्व कर रहे थे और उनके बगल एनसीसी के कैडेट हाथ में तिरंगा झंडा लिए कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। इस दौरान विश्वविद्यालय की छात्र–छात्राएं, अधिकारी, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी एवं एनसीसी, एनएसएस के स्वयंसेवक हाथ में तिरंगा लिए भारत माता के जयघोष के साथ देश भक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव व साहस की भावना से ओतप्रोत होकर आगे बढ़ते रहे। तिरंगा यात्रा के डोगरा रेजिमेंट क्षेत्र के वार मेमोरियल पर पहुँचने पर कुलपति सहित अन्य ने जांबाज सेनाओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर कुलपति कर्नल (डॉ.) बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश जब भी आतंकवाद करेगा, ऑपरेशन सिन्दूर की तरह हमारी सेना माकूल जवाब देगी। सेना के जवानों ने 7 मई को 23 मिनट में पड़ोसी मुल्क को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमारी तीनों सेनाओं और हमारे 140 करोड़वासी के जज्बे के आगे पाकिस्तान को देश के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि पड़ोसी मुल्क पर कभी भी विश्वास नही किया जा सकता है। धोखा देना उसकी फितरत में है इसलिए हमारी भारतीय सेना किसी भी समय ऑपरेशन के लिए तैयार रहती है। कुलपति ने कहा कि देश की सरहद काफी बड़ी और दुर्गम है। माइनस डिग्री तापमान में भी हमारी सेनाएं तत्पर और मुस्तैद हैं। पड़ोसी मुल्क कभी भी हमारी सरहद की ओर आँख उठाकर देख नही सकता है। पहलगाम में जिस तरह हमारी 26 माँ, बहनों के सिन्दूर को मिटाया और जघन्य हत्याएं की वह कितना दर्दनीय रहा और इसकी परिकल्पना नही की जा सकती। कुलपति ने कहा कि हमार लक्ष्य आतकंवाद को समाप्त करना है। हम सभी आतंकवाद के प्रति इतने सजग है, उसे उसी की भाषा में जवाब देंगे।डोगरा रेजिमेंट के ब्रिगेडियर के० रंजीव सिंह ने कहा कि सिन्दूर ऑपरेशन की सफलता और उसके जो नतीजे निकले है वह तिरंगा यात्रा सेनाओं के मनोबल को बढ़ाती है। शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी आने वाले दिनों में देश का भविष्य हैं। जब भारत के ऊपर दूसरा देश आन्तरिक स्तर पर हरकत करे तो देश एक साथ खड़ा होकर उसका मुकाबला कर सकता है। दुश्मन को माकूल जवाब दे सकता है। भारतीय सेना और फौजी दस्ते तीन मेजर लड़ाई लड़ चुके हैं। ये पांचवी लड़ाई है। यह किस तरफ रूख लेगी इसके बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सेनाओं की जवाबी कार्यवाही में पड़ोसी मुल्क को काफी नुकसान पहुँचाया गया है। इसका नतीजा देश की लीडरशिप ने दिया। भारत की तीनों सेनाए सक्षम है। किसी भी खतरे को मुंहतोड़ जवाब दे सकती है। दुश्मन देश को सिर उठाने के लिए काफी साल लगेगा। सभी देश हित के लिए दिल लगाकर कार्य करें। इस अवसर पर ब्रिगेडियर जितेन्द्र शर्मा, लेफ्टिनेंट डॉ0 नवीन कुमार, कुलसचिव प्रो. संत शरण मिश्र, कुलपति के सचिव डॉ. जसवंत सिंह, कृषि अधिष्ठाता डॉ. डी.के सिंह, निदेशक प्रसार डॉ. राम बटुक सिंह, लेफ्टिनेंट डॉ नवीन कुमार सिंह, डॉ देवनारायण पटेल, डॉ अजय राजभर, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो० आशुतोष सिन्हा, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. के.के. वर्मा, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो .शैलेन्द्र वर्मा, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, डॉ. राना रोहित सिंह, डॉ. विनोद चौधरी, डॉ. अवध नरायन सहित दोनों विश्वविद्यालय के आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, एनसीसी, एनएसएस व छात्र–छात्राएं तिरंगा यात्रा में शामिल रहे।

पहले पिये पानी फिर आपके शिकायतों का होगा अवश्य निस्तारण

अयोध्या।काफी दूर से आप लोग इस गर्मी में आये है पहले आप बिस्किट खाकर पानी पिए फिर आपकी शिकायत का निस्तारण होगा। इस तरह का उदाहरण रविवार को उस समय दिखाई दिया जब काफी दूर से एक महिला फरियादी इस चिलचिलाती धूप में अपनी शिकायत की समाधान करने के लिए महिला थाना पर आई थी। सबसे पहले वहां पर मौजूद महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला तथा उप निरीक्षक प्रदीप मिश्रा ने उसे शालीनता पूर्वक कुर्सी पर बिठाया और बिस्किट पानी दिया। कहां सबसे पहले आप इस गर्मी में बिस्किट पानी पिए और आप की शिकायत का समाधान जरूर होगा। यह कोई आज का उदाहरण ऐसा नहीं है।इससे पहले जिले में एसपी ग्रामीण रह चुके संजय कुमार ने भी यह सराहनीय पहल शुरू किया था।उनके कार्यालय पर इस गर्मी में आने वाले सभी फरियादियों दिया जाता था और उसके बाद अपने बगल वाली कुर्सी पर बिठाकर उनकी समस्याओं का समाधान करते थे। उसे समय एसपी देहात रहे संजय कुमार ने यह निर्देश सभी स्थानों पर लागू किया था। लेकिन उनके जाते ही उनका यह आदेश ठंडा बस्ती में चला गया। फिलहाल चाहे जो भी हो महिला थाना परिसर में आने वाले सभी फरियादियों को इस समय उनकी फरियाद तो बाद में सुनी जा रही है लेकिन सबसे पहले उनको बिस्किट तथा पानी देकर इस प्रचंड गर्मी में प्यास बुझाई जा रही है और उसके बाद ही महिला थाना अध्यक्ष द्वारा उनकी शिकायत गंभीरता पूर्वक सुनी जा रही है।वहां पर आई एक महिला फरियादी ने बताया कि इस तरह पहली बार हुआ है मैं कई बार कई कार्यालय पर इस गर्मी में गई लेकिन ऐसा आज यहाँ पर पहली बार दिखाने को मिल रहा है।इसी तरीके से वहां पर आए एक अन्य फरियादी का भी मानना था कि इस भीषण गर्मी में पानी पिलाना काफी परोपकार का कार्य होता है। फिलहाल महिला थाना अध्यक्ष द्वारा किए जा रहे इस कार्य की सराहना आसपास के लोगों में हो रही थी।

प्राचीन परंपरा के साथ-साथ छात्रों के चौमुखी विकास का रहता है प्रयास - केहरि सिंह

अयोध्या।केंद्र व राज्य सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यूपी बोर्ड तथा सीबीएसई बोर्ड के साथ–साथ अन्य बोर्ड से संचालित स्कूलों कॉलेजों को वित्तीय सहायता तथा अनुदान प्रदान कर रही है।वही भारतीय परंपराओं को प्रल्लवित करने के साथ–साथ संस्कृत में बढ़ावा देने के लिए संस्कृत बोर्ड से संचालित विद्यालयों के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।बताते चले अयोध्या जिले में मान्यता तथा सरकारी सहायता प्राप्त कुल 40 स्कूल कॉलेज संचालित हैं।जिनका मुख्य मकसद छात्रों में वेद,पुराण सहित अन्य भारतीय परंपराओं को कायम रखना है। इसी स्कूलों में अयोध्या धाम में स्थित श्री रघुवर संस्कृत पाठशाला स्वर्गद्वार तथा देव संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारी अपने विशेष योगदानों के लिए जाना जाता है। इन स्कूलों में यहां पर अध्यनरत छात्रों को जहां संस्कृत के साथ–साथ भारतीय परंपराओं में शामिल अन्य महत्वपूर्ण संस्कारों के प्रति जागरुक कर रहे हैं। जिसको देखते हुए शासन ने अभी कुछ दिनों पहले श्री रघुवर संस्कृत पाठशाला स्वर्ग द्वार विद्यालय के जीर्णोद्धार के लिए आठ लाख रुपये स्वीकृत किया है।जो शीघ्र ही संबंधित विद्यालय को जीर्णोद्धार के लिए मिल जाएगा। इस संबंध में उक्त विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं संस्कृत माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य केहरि सिंह ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य यहां पर अध्यनरत छात्रों को संस्कृत के साथ–साथ भारतीय परंपरा को जीवित बनाए रखना है।बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बीच–बीच में बच्चों को अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से उनका चौमुखी विकास भी किया जाता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।